

संग्रहीत करना चाहिए।
लाल विक्री करनी चाहिए।
पैदली जम्हार करनी चाहिए।
०८०-२२१ अधि ३१ : ०६ २०१५



७६ अक्टूबर १९८५

विषय क्रमांक संख्या २०१

नियार्थी श्रीमति डॉ विजयलक्ष्मी चौधुरी द्वारा दिल्ली में दोष विकृति सुनील हुई। इसके बाद विषय क्रमांक संख्या कथेहरी २०१ दिल्ली

क्र. २२१ व्याख्या ३१ जून २०१



स्वाम्य लैला का नाम
निवासी सुनाल दुर्गा प्रसाद चौहान
स्वाम्य विक्रेता सुनाल दुर्गा प्रसाद चौहान
योगार्थी खम्भा कचोहरी-इन्हाव
भा. २२१ अंकि २९ नामे 201



73 २१/८/८
लाल लोहा का नाम
निवासी.....
लाल विकला सुनील हु..... [अवध]
चौरासी सम्मान बंधुवी देशभक्त
क्र. 221 अंकि 31 पर्य 204



~~स्वामी कोला का नम~~
निवासी
~~स्वामी कोला सुनील कुमार बालाजी (अवाम)~~
पौरसी सम्मा अचेहरी इंद्राजाल
→ २२१ अंडि ३१ घरे २०१



नं १२ तिथि ०२/७/१८ दर्ता क्रमांक
 स्टाम्प के ता का नाम... नं ६०१७९५ को ८०१७
 विवाही स्टाम्प विक्रेता सुनील कुमार उपराजवाला (प्रधान)
 शौरासी खस्मा कचेहरी-इलाहाबाद
 नं २२१ आधि ३१ पर्यं २०१७

वही संख्या ४ जिल्द संख्या ६३ के पृष्ठ ११५ से १४४ तक क्रमांक
 ६९ पर दिनांक ०५/०७/२०१८ को रजिस्ट्रीकूर्ता किया गया।

रजिस्ट्रीकूर्ता अधिकारी के हस्ताक्षर

अम्बुज चिपाठी - प्रभारी उपनिवेशक
 उप दिवाधक : पूर्णपुर
 इलाहाबाद

